collegebatch.com

Series E1GFH/2 ***Set No. 3***

प्रश्न-पत्र कोड **29/2/3**

अनुक्रमांक :

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

collegebatch.com

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खंड हैं – **खंड-'अ'** और **'ब'** । **खण्ड-'अ'** में 48 बहुविकल्पी / वस्तुपरक उपप्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 उपप्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iii) ***खण्ड-'ब'** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(iv) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।*

(v) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खंड – अ
(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **10 × 1 = 10**

हम जानते हैं, अस्पताल दुर्घटना रोकने के लिए नहीं बनाए जाते, वहाँ पीड़ितों का उपचार किया जाता है । दुर्घटना तो केवल हमारी सतर्कता और सावधानी से रोकी जा सकती है । लेकिन आहत मन और मन के विकारों का इलाज इससे होने वाली दुर्घटनाओं से पहले ही किया जा सकता है । ऐसे अद्‌भुत चिकित्सा स्थलों को नाम दिया गया है – प्रार्थना-गृह, इबादत गाह, पूजास्थल । इन सबका एक ही चिकित्सक है – ईश्वर ।

सदियों से हम ईश्वर से अंध आस्थाओं और मिथकों के सहारे जुड़े हुए हैं । वह तो पवित्र, सरल और दिव्य भाव से प्रेम करने वालों के करीब खुद ही आ जाता है । अग्नि से गर्माहट, बर्फ से ठंडक, गुलाब से सुगंध, वृक्ष से छाँव, चाँदनी से शीतलता और धूप से ताप बिना माँगे, बस समीप जाने से ही मिल जाती है । वैसे ही यहाँ का चिकित्सक बिना स्पर्श किए, बिना कुछ पूछे, बिना कुछ शुल्क लिए हमारी दुविधाओं को समझ लेता है और अपनी अलौकिक औषधियों से उनका शमन भी कर देता है । बस हमारी ओर से चाहिए उसे पूर्ण समर्पण और हमारी नजदीकियाँ ।

सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने की इच्छा से ही ईश्वर के पास जाना चाहिए, भौतिक कामनाओं की पूर्ति के लिए नहीं । प्रह्लाद ने भगवान से माँगा – हे प्रभु, मैं यह माँगता हूँ कि मेरी माँगने की इच्छा ही खत्म हो जाए ।

collegebatch.com

कहने को तो जीवन एक छोटा-सा शब्द है । पर यह इतना जटिल है कि कोई भी इसका सही अर्थ नहीं समझ सका है । ईश्वर ने हमारे जीवन की आवश्यकता के अनुसार हमें बिना किसी स्वार्थ के सभी चीजों से परिपूर्ण किया है । इसलिए हमारा भी कर्तव्य बनता है कि ईश्वर को उनकी उदारता के लिए याद करें । परंतु हम ईश्वर को तभी याद करते हैं जब उनसे कुछ माँगना होता है या कोई शिकायत करनी होती है । चारों तरफ से थक-हार कर हम जब असहाय हो जाते हैं, तभी ईश्वर से प्रार्थना करते हैं । प्रार्थना भी कहाँ ? प्रार्थना के नाम से अपनी समस्याओं से निस्तार पाने के लिए भिक्षा माँगते हैं । वास्तव में हम अपनी महत्त्वाकांक्षाओं की मृगतृष्णा में पागल होकर अनदेखे, अनजाने मार्गों पर सुख और शांति की तलाश में भटकते रहते हैं ।

शाश्वत सुख और परम शांति तो ईश्वर को प्राप्त करने से ही मिलती है । अपने तन-मन और अंतरात्मा को एकाग्र करके शुद्ध मन और वाणी से ईश्वर को अपने अस्तित्व के लिए धन्यवाद देना है । जो मिला है उसके लिए ईश्वर का आभार प्रकट करना है । ईश्वर से संवाद करने का सबसे सरल तरीका है अपने को मानवता के प्रति समर्पित कर देना । यही प्रार्थना है, पूजा है । यदि ऐसा नहीं हो रहा है तो प्रार्थना करने का कोई औचित्य नहीं है ।

(i) गद्यांश में दुर्घटनाओं का मूल कारण माना गया है – **1**

(a) असावधानी (b) मानसिक विकार

(c) दूसरों का हठ (d) अहंकार

(ii) गद्यांश में आए 'मिथक' शब्द का भाव है – **1**

(a) झूठी बातें (b) अंध विश्वास

(c) कल्पित / मौखिक कथन (d) रीति-रिवाज

(iii) ईश्वर का सान्निध्य प्राप्त करने के लिए क्या उपाय है ? **1**

(a) पूजा स्थल में उपस्थिति (b) दैनिक आरती

(c) पूर्ण समर्पण (d) धन-दौलत

(iv) निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन गद्यांश के दूसरे अनुच्छेद से सम्बंधित है ? **1**

(a) पवित्रात्माओं को ईश्वर की प्राप्ति कठिन साधना से होती है ।

(b) साधना के बिना ही प्रसाद चढ़ाने से ईश्वर प्रसन्न हो जाते हैं ।

(c) प्राकृतिक सुविधाएँ व्यक्ति को स्वयं उपलब्ध हो जाती हैं ।

(d) सूर्य को पास जाकर देखने से शीतलता मिल जाती है ।

collegebatch.com

(v) गद्यांश में ईश्वर से सकारात्मक ऊर्जा मिलने की इच्छा करने की बात क्यों कही गई है ? 1

(a) भौतिक कामनाओं की पूर्ति के लिए

(b) कामनाओं की समाप्ति के लिए

(c) धन–दौलत की प्राप्ति के लिए

(d) भरपूर सुख–स्वास्थ्य, समृद्धि के लिए

(vi) गद्यांश के अनुसार जीवन की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति का कारण है – 1

(a) स्वयं का श्रम और पौरुष (b) ईश्वर की उदारता

(c) सरकारी सुविधाएँ (d) समाज की उदारता

(vii) अपनी समस्याओं से निस्तार पाने के लिए की गई प्रार्थना को गद्यांश में माना गया है – 1

(a) महत्त्वाकांक्षा (b) मनोकामना

(c) भिक्षा (d) मृगतृष्णा

(viii) गद्यांश में आए 'मृगतृष्णां' शब्द का भाव है – 1

(a) मृग की प्यास (b) शांति की तलाश

(c) मनचाही चीज के लिए भटकना (d) ऐसी तृष्णा जो संभव न हो

(ix) ईश्वर के प्रति आभार प्रकट करने का परिणाम क्या हो सकता है ? 1

(a) भौतिक कामनाओं की पूर्ति (b) शाश्वत सुख और परम शांति की प्राप्ति

(c) मन और शरीर की युति (d) मन, वाणी और अहंकार की तुष्टि

(x) "ईश्वर के प्रति मनुष्य को आभार प्रकट करना चाहिए और आभार प्रकट करने के लिए उनसे संवाद की अपेक्षा है।" संवाद के लिए इन उपायों में से किसे श्रेष्ठ माना जा सकता है ? 1

(a) स्वयं को भजन–कीर्तन–पूजा के प्रति समर्पण

(b) स्वयं को मानवता के प्रति समर्पण

(c) स्वयं को मंदिर में रोज आने–जाने के प्रति समर्पण

(d) स्वयं को साधु–महात्मा के प्रवचन के प्रति समर्पण

collegebatch.com

2. नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं, किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $8 \times 1 = 8$

काव्यांश – एक

क्या तुमने कभी सुनी है
सपनों में चमकती कुल्हाड़ियों के भय से
पेड़ों की चीत्कार
कुल्हाड़ियों के वार सहते
किसी पेड़ की हिलती टहनियों में
दिखाई पड़े हैं तुम्हें
बचाव के लिए पुकारते हजारों हजार हाथ ?
क्या होती है तुम्हारे भीतर धमस
कटकर गिरता है जब कोई पेड़ धरती पर ?
सुना है कभी
रात के सन्नाटे में अँधेरे से मुँह ढाँप
किस कदर रोती हैं नदियाँ ?
इस घाट अपने कपड़े और मवेशी धोते
सोचा है कभी कि उस घाट
पी रहा होगा कोई प्यासा पानी
या कोई स्त्री चढ़ा रही होगी किसी देवता को अर्घ्य ?
कभी महसूस किया कि किस कदर दहलता है
मौन समाधि लिए बैठे पहाड़ का सीना
विस्फोट से टूटकर जब छिटकता दूर तक कोई पत्थर ?
सुनाई पड़ी है कभी भरी दुपहरिया में
हथौड़ों की चोट से टूटकर बिखरते पत्थरों की चीख ?
खून की उल्टियाँ करते
देखा है कभी हवा को अपने घर के पिछवाड़े ?
थोड़ा सा वक्त चुराकर बतियाया है कभी
कभी शिकायत न करने वाली
गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी से उसका दुख ?
अगर नहीं तो क्षमा करना
मुझे तुम्हारे आदमी होने पर संदेह है ।

collegebatch.com

(i) काव्यांश में 'पेड़ों की चीत्कार' शब्द का अर्थ है 1

(a) पेड़ों का टूटकर गिर जाना

(b) पेड़ों का चीखना–चिल्लाना

(c) पेड़ों का कुल्हाड़ियों के डर से चीखना

(d) पेड़ों का आपस में टकराना

(ii) काव्यांश में 'पेड़ की हिलती टहनियाँ' प्रतीक हैं – 1

(a) हवा से हिलती शाखाएँ (b) रक्षा के लिए पुकारते उसके हजारों हाथ

(c) आपस में टकराती टहनियाँ (d) आँधी में टूटती टहनियाँ

(iii) पेड़ों के कटकर गिरने से हमें आघात क्यों होता है ? 1

(a) वे हमारी जीवनी शक्ति हैं।

(b) भारी–भरकम पेड़ धरती हिला देते हैं।

(c) उनकी आवाज दिल पर असर करती है।

(d) उनसे हमें छाया मिलती है।

(iv) "अँधेरे से मुँह ढाँप किस कदर रोती हैं नदियाँ" का आशय क्या है ? 1

(a) रात को अपना जल दूषित होते देख बहना बंद कर देती हैं।

(b) चुपचाप बहती नदियाँ अपने जल को दूषित होते देख दुख व्यक्त कर रही हैं।

(c) धरती की जीवन–रेखा जल के रूप में बहती है।

(d) रात को नदियाँ बहकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती हैं।

(v) काव्यांश में पहाड़ के सीने को 'दहलता' क्यों कहा गया है ? 1

(a) उसके अंदर से ज्वालामुखी फूटने के कारण

(b) विस्फोट के द्वारा उसे टुकड़े–टुकड़े कर देने के कारण

(c) समाधि में लीन तपस्वियों के हुंकार के कारण

(d) पहाड़ों पर स्थित वृक्षों में आग लग जाने के कारण

(vi) 'पहाड़ों की मौन समाधि' द्योतक है 1

(a) उनके मौन रहने की स्थिति का (b) उनमें बोलने की शक्ति के न होने का

(c) उनके अचल होने की स्थिति का (d) हथौड़ों के प्रहार की चोट का

(vii) "घर के पिछवाड़े जमा गंदगी से आने वाली दुर्गंधपूर्ण हवा" को कवि ने माना है – 1

(a) प्यास से व्याकुल पानी पीते (b) हथौड़ों की चोट से बिखरते पत्थर

(c) खून की उल्टियाँ करते (d) पर्वतीय जंतुओं की दहाड़

collegebatch.com

(viii) कवि ने कविता के द्वारा संदेश दिया है 1

(a) मनुष्य द्वारा प्रकृति की सुंदरता के उपयोग का
(b) प्रकृति के प्रति मानवीकरण की उपयोगिता का
(c) पर्यावरण संरक्षण में मानव की भूमिका का
(d) प्रकृति के संरक्षण में नदियों की भूमिका का

अथवा

काव्यांश–दो

बैठे हुए हो व्यर्थ क्यों ?आगे बढ़ो, ऊँचे चढ़ो ।
है भाग्य की क्या भावना, अब पाठ पौरुष का पढ़ो ।
है सामने का ग्रास भी, मुख में स्वयं जाता नहीं ।
हाँ ध्यान उद्यम का तुम्हें, तो भी कभी आता नहीं ।

जो लोग पीछे थे तुम्हारे बढ़ गए, हैं बढ़ रहे ।
पीछे पड़े तुम, दैव के सिर दोष अपना मढ़ रहे ।।
पर कर्म–तैल बिना कभी विधि–दीप जल सकता नहीं ।
है दैव क्या ? साँचे बिना कुछ आप ढल सकता नहीं ।।

आओ मिलें सब देश–बांधव, हार बनकर देश के ।
साधक बनें सब प्रेम से, सुख–शांतिमय उद्देश्य के
क्या सांप्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता अहो
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो ।

(i) काव्यांश में किस प्रकार की जीवन–पद्धतियों की बात की गई है ? 1

(a) पौरुषहीन और आलस्यहीन
(b) आलस्यपूर्ण और उद्यमपूर्ण
(c) निरर्थक और पौरुषहीन
(d) स्थिर और स्थगित

(ii) 'सामने का ग्रास भी स्वयं मुख में जाता नहीं' पंक्ति का भाव है – 1

(a) बिना हवा चले वृक्ष के पत्ते नहीं गिरते ।
(b) पका हुआ फल हाथ में लिए बिना मुँह में जाता नहीं ।
(c) सामने रखा भोजन हाथ से ही मुँह में जाता है ।
(d) परिश्रम किए बिना जीवन में कुछ भी प्राप्त नहीं होता ।

collegebatch.com

(iii) काव्यांश के अनुसार पीछे रहने वाले लोग आगे क्यों बढ़ रहे हैं ? 1

(a) भाग्यशाली होने के कारण

(b) विशेष शक्ति से पूर्ण होने के कारण

(c) उद्यम और परिश्रम करने के कारण

(d) हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने के कारण

(iv) पीछे रहने वाले लोग अपनी असफलता का दोष किसे देते हैं ? 1

(a) दूसरे लोगों को (b) अपने भाग्य को

(c) आगे बढ़ जाने वालों को (d) अपनी निर्धनता को

(v) मनुष्य का भाग्य कब साथ देता है ? 1

(a) भाग्य का दीप कर्म के बिना रहने पर

(b) कर्म रूपी तेल भाग्य रूपी दीप में पड़ने पर

(c) दीपक में तेल सूख जाने पर

(d) परिश्रम व्यर्थ हो जाने पर

(vi) मूर्ति बनाने के लिए आवश्यकता होती है – 1

(a) अनुभव की (b) साँचे की

(c) प्रशिक्षण की (d) चाक की

(vii) देशवासियों को काव्यांश में कहा गया है 1

(a) माला (b) फूल

(c) परिवार (d) वृक्ष

(viii) देश में एकता स्थापित करने के लिए कौन–सा कथन उपयुक्त है ? 1

(a) साधक बनें सब प्रेम से, सुख–शांतिमय उद्देश्य के

(b) क्या सांप्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता अहो

(c) बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो

(d) बैठे हुए हो व्यर्थ क्यों ? आगे बढ़ो, ऊँचे चढ़ो ।

collegebatch.com

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

(i) इन्टरनेट पत्रकारिता के संबंध में क्या सही नहीं है ? **1**

(a) दृश्य एवं प्रिंट माध्यमों का लाभ मिलता है ।

(b) समाचार संकलित करने का लाभ नहीं मिलता है ।

(c) खबरें बहुत तीव्रता से पहुँचाई जाती हैं ।

(d) खबरों की पुष्टि तत्काल होती है ।

(ii) विभिन्न संचार माध्यमों से जुड़ी शब्दावली के उचित मिलान को दर्शाने वाला विकल्प चुनकर लिखिए : **1**

(a) टेलीविजन – दृश्य–श्रव्य माध्यम

(b) रेडियो – निरक्षरों के लिए अनुपयोगी

(c) प्रिंट माध्यम – बहुत तेज माध्यम

(d) इन्टरनेट – टी.वी. की तुलना में कम आकर्षक

(iii) किसी मुद्दे पर समाचार पत्र की राय प्रकट करने वाला लेख होता है **1**

(a) फीचर (b) स्तंभ

(c) समापन (d) संपादकीय

(iv) कारोबार तथा व्यापार से जुड़े विशेष लेखन के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्द हैं – **1**

(a) तेजड़िए, मंदड़िए, बिकवाली (b) पश्चिमी हवाएँ, आर्द्रता, टॉक्सिक कचरा

(c) न्याय, अभियोग, अधिनियम (d) एल.बी.डब्लू., गुगली, स्पिन

(v) ब्रेकिंग न्यूज के बारे में क्या सही है ? **1**

(a) घटनास्थल से घटना का सीधा प्रसारण ।

(b) किसी बड़ी खबर का तत्काल दर्शकों तक पहुँचाया जाना ।

(c) खबर के बारे में एंकर द्वारा दर्शकों को सीधे–सीधे बताना ।

(d) घटना के दृश्यों के आधार पर खबर का लिखा जाना ।

collegebatch.com

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **6 × 1 = 6**

मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही ।
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा साथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण !

(i) 'सरोज–स्मृति' कविता के केंद्र में है – **1**

(a) स्वयं कवि (b) शकुंतला
(c) पुत्री सरोज (d) कवि की पत्नी

(ii) 'दुख ही जीवन की कथा रही' – पंक्ति का आशय है **1**

(a) मैं दुख की कविताएँ लिखता रहा । (b) मेरा सारा जीवन दुखों में ही बीता है ।
(c) मेरी कविता का नाम दुख है । (d) मेरी कथा का संबंध दुखों से है ।

(iii) काव्यांश में आए 'संबल' का अर्थ है **1**

(a) कंबल (b) सहायक
(c) सहारा (d) रक्षक

(iv) कवि ने अपनी पुत्री का तर्पण किस प्रकार किया था ? **1**

(a) अपनी पत्नी की मधुर स्मृति को बार–बार मन में लाकर ।
(b) विगत समय के समस्त अपने सत्कर्मों को पुत्री को अर्पित करते हुए ।
(c) वस्त्राभूषण सहित पुत्री का श्राद्ध करते हुए ।
(d) पुत्री के शोक में शोकगीत लिखकर समर्पित करते हुए ।

collegebatch.com

(v) 'शीत के-से शतदल' में अलंकार है **1**

(a) रूपक (b) अतिशयोक्ति

(c) उपमा (d) श्लेष

(vi) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए : **1**

(क) यह काव्यांश बेटी के दिवंगत होने पर पिता का विलाप है ।

(ख) बेटी के रूप-रंग में पत्नी का रूप-रंग दिखाई देता था ।

(ग) काव्यांश में निराला का जीवन-संघर्ष प्रकट हुआ है ।

इन कथनों में से कौन-सा / कौन-से कथन सही है/हैं

(a) केवल (क) (b) (क) और (ग)

(c) केवल (ख) (d) (ख) और (ग)

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **$6 \times 1 = 6$**

हालाँकि उसे खेती की हर बारीकी के बारे में मालूम था, लेकिन फिर भी डरा दिए जाने के कारण वह अकेला खेती करने का साहस न जुटा पाता था । इससे पहले वह शेर, चीते और मगरमच्छ के साथ साझे की खेती कर चुका था, अब उससे हाथी ने कहा कि अब वह उसके साथ साझे की खेती करे । किसान ने उसको बताया कि साझे में उसका कभी गुज़ारा नहीं होता और अकेले वह खेती कर नहीं सकता । इसलिए वह खेती करेगा ही नहीं । हाथी ने उसे बहुत देर तक पट्टी पढ़ाई और यह भी कहा कि उसके साथ साझे की खेती करने से यह लाभ होगा कि जंगल के छोटे-मोटे जानवर खेतों को नुकसान नहीं पहुँचा सकेंगे और खेती की अच्छी रखवाली हो जाएगी । किसान किसी न किसी तरह तैयार हो गया और हाथी से मिलकर गन्ना बोया । हाथी पूरे जंगल में घूमकर डुग्गी पीट आया कि गन्ने में उसका साझा है इसलिए कोई जानवर खेती को नुकसान न पहुँचाए, नहीं तो अच्छा न होगा ।

(i) गद्यांश में हाथी किस वर्ग का प्रतिनिधि माना गया है ? **1**

(a) मध्यम वर्ग (b) धनाढ्य वर्ग

(c) कृषक वर्ग (d) अल्प आय वर्ग

collegebatch.com

(ii) किसान अकेले खेती क्यों नहीं कर सकता था ? 1

(a) खेती के लिए सामग्री और उपकरण के अभाव के कारण

(b) धनाढ्य लोगों द्वारा फसल पर कब्जा कर लिए जाने के कारण

(c) खेती करने का अनुभव नहीं होने के कारण

(d) खेती करने में अधिक परिश्रम होने के कारण

(iii) साझे की खेती में हाथी ने किसान को क्या लाभ बताया ? 1

(a) लागत और मेहनत की कमी

(b) जंगली जानवरों से खेती की रखवाली

(c) हाथी की ताकत का लाभ

(d) बिना मेहनत किए काफी उपज का लाभ

(iv) खेती को नुकसान से बचाने के लिए हाथी ने क्या उपाय अपनाया ? 1

(a) उपज में रखवालों को भी हिस्सा देने का वायदा किया ।

(b) खेती की उपज की देखभाल के लिए दैनिक मजदूर रखे ।

(c) जानवरों की सभा करके समझौता किया कि उसकी खेती की वे रक्षा करें ।

(d) पूरे जंगल में डुग्गी पीटकर चेतावनी दी कि खेत को कोई नुकसान न पहुँचाए ।

(v) निम्नलिखित कथन–कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए । उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1

कथन (A) : किसान अकेला खेती करने का साहस न जुटा पाता था ।

कारण (R) : खेती–बाड़ी संबंधी बारीकियों के ज्ञान का अभाव था ।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(b) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है ।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं ।

(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।

(vi) 'साझा' लघुकथा का वर्ण्य विषय है 1

(a) पशुओं के द्वारा मनुष्य को हानि पहुँचाना ।

(b) धनाढ्य वर्ग द्वारा निर्धन की कमाई हड़पना ।

(c) परिश्रम का फल न मिलना

(d) अपने प्रभाव की डुग्गी पिटवाना

collegebatch.com

6. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

(i) 'तो हम भी सौ लाख बार बनाएँगे', 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ से ली गई इस पंक्ति से सूरदास के चरित्र में कौन-सी विशेषता प्रकट नहीं होती ? **1**

(a) उदारता (b) हार न मानने की प्रवृत्ति

(c) साहस (d) दृढ़ता

(ii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के अनुसार बिसनाथ का पालन-पोषण कसेरू दाई ने क्यों किया ? **1**

(a) माँ के बीमार रहने के कारण (b) बिसनाथ की माँ के दूसरा बेटा होने के कारण

(c) गाय का दूध नहीं पचने के कारण (d) गाय का दूध पसंद नहीं होने के कारण

(iii) 'अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' – पाठ के आधार पर पानी के रख-रखाव के लिए पहले उपाय किए गए **1**

(a) पठार को गहरा करना

(b) पेड़-पौधे लगवाना

(c) तालाब, बड़ी-बड़ी बावड़ियाँ बनवाना

(d) जमीन के पानी को बाहर निकालना

(iv) 'अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के संदर्भ में नदियों के गंदे नाले में परिवर्तित होने के कारण नहीं हैं – **1**

(a) धार्मिक आस्था (b) औद्योगिक विकास

(c) बढ़ती जनसंख्या (d) जलवायु परिवर्तन

(v) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में आए शब्द 'कोइयाँ' की विशेषता है – **1**

(a) एक प्रकार का साँप होता है, जिसमें विष नहीं होता ।

(b) एक प्रकार का जलपुष्प है, जिसकी गंध मादक होती है ।

(c) एक प्रकार का जहरीला बिच्छू होता है ।

(d) एक प्रकार का सुगंधित पुष्प होता है ।

खंड – ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित दिए गए **तीन** शीर्षकों में से किसी **एक** शीर्षक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए – **1 × 5 = 5**

(क) मोबाइल फोन के दुष्प्रभाव

(ख) युवकों को बड़ों की नसीहत

(ग) समाज की लुप्त होती परंपराएँ

collegebatch.com

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : $2 \times 3 = 6$

(क) फीचर का स्वरूप स्पष्ट करते हुए, विशेषताएँ बताइए ।

(ख) विशेष लेखन किसे कहते हैं ? उसकी भाषा और शैली पर प्रकाश डालिए ।

(ग) समाचार-लेखन का क्या तरीका है ? उसकी अच्छाइयों का उल्लेख कीजिए ।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए – $2 \times 3 = 6$

(क) कविता कैसे बनती है ? उसके प्रमुख घटकों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) नाटक रचना में संवाद के महत्त्व पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) कहानी किसे कहते हैं ? उसके तत्त्वों का उल्लेख कीजिए ।

10. निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए – $2 \times 2 = 4$

(क) 'भरत-राम प्रेम' कविता में भरत के आत्म-परिताप से उनके चरित्र की किस विशेषता का वर्णन है ?

(ख) 'यह दीप अकेला' कविता में आई पंक्ति 'जिज्ञासु, प्रबुद्ध, सदा श्रद्धामय, इसको भक्ति को दे दो' – का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'मैंने देखा एक बूँद' कविता में क्षण के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 2 = 4$

(क) संवदिया के बारे में गाँव वालों के मन में क्या धारणा थी ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ख) अराफात की अतिथि सेवा का विवरण उदाहरण सहित दीजिए ।

(ग) 'चार हाथ' कहानी में मजदूरों को चार हाथ लगवाने के लिए क्या किया गया ?

12. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : $1 \times 6 = 6$

(क) बरसाती आँखों के बादल-बनते जहाँ भरे करुणा जल ।
लहरें टकराती अनंत की –पाकर जहाँ किनारा ।
हेम-कुंभ ले उषा सवेरे भरती ढुलकाती सुख मेरे ।
मदिर ऊँघते रहते जब-जगकर रजनी भर तारा ।

अथवा

(ख) उठहु तात ! बलि मातु बदन पर अनुज सखा सब द्वारे ।
कबहुँ कहति यों बड़ी बार भइ जाहु भूप पहँ, मैया ।
बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया ।
कबहुँ समुझि वनगमन राम को रहि चकि चित्रलिखी सी ।
तुलसीदास वह समय कहे ते लागति प्रीति सिसी सी ।।

collegebatch.com

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **1 × 6 = 6**

जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे का अपकार कर रहे हैं वह भी बुद्धिहीन है । कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है ? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास–विधाता की योजना के अनुसार । किसी को उससे सुख मिल जाए, बहुत अच्छी बात है, नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परंतु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए । सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है तो दुख पहुँचाने का अभिमान तो नितरां गलत है । दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं । सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है । परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ–हजूरी ।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए : **1 × 3 = 3**

(क) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ से ली गई पंक्ति "मुझे अच्छी तरह से हजम हो जाएँगे, हाथ में आए हुए रुपयों को नहीं लौटा सकता" – के संदर्भ में भैरों के चरित्र की उभरती प्रवृत्ति को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'अपना मालवा खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर औद्योगिक विकास से उत्पन्न होने वाली समस्याओं का उल्लेख कीजिए ।

collegebatch.com